(ख) उस पर प्रतिवर्ष राज्यवार कितनी धनराशि व्यय की जा रही है, और

(ग) क्या इसके ब्यौरे का एक विवरण सभा पटल पर रखा जायेगा ?

सामुदायिक विकास मंत्री (श्री चु० कु० डे) : (क) प्रारम्भ में सफलता की गति मन्द रही क्योंकि ग्रामीण इलाको मे प्रोग्राम को घर करने मे समय लग गया। तो भी, इस ओर अधिक ध्यान और विशेष बल देने मे इसमे काफी प्रगति हुई। जैसा कि १३,४०० महिला समितिया जिनके सदस्यो की सख्या १,६७,००० है ब्लाको में काम कर रही है। और महिलाओ के हृदयो में उन्नत जीवन की कामना को अकुरित कर रही हैं। शिल्प केन्द्र, प्रसूति व बाल केन्द्र और अन्य प्रोग्राम जो चालू किये गये है, उनके द्वारा महिलाए अधिकाधिक सख्या मे पढ़ाई, इर्द-गिर्द व घर की सफाई व आमदनी को थोडा बहुत बढाने मे लाभ उठा रही हैं।

(ख) और (ग) पहले पहल स्त्रियो व बालको के कार्यक्रम पर खर्च के पृथक आकडे नही बनाए गए क्योंकि यह "समाज शिक्षा" के खर्च का एक भाग था। कार्यक्रम सशोधन के बाद ४०,००० रुपये और २०,००० रुपये स्त्रियो के कार्यक्रम के लिये ब्लाको की पहली व दूसरी अवस्था मे क्रमश व्यय करने का विधान है। कल्याण विस्तार योजनाओ, (Welfare Extension Projects) मे जहा अप्रैल १९५७ से केन्द्रीय समाज कल्याण मडल से मिलजुल कर काम चालू है, वहां कुछ रकम हर एक ब्लाक के लिये १,३३,००० रु० वण्टित की गई है जिसमें इस मंत्रालय का भाग ४०,००० रुपये है। असली खर्च के आकडे प्राप्य नही।

दिबनापुर हाल्ट स्टेशन, पूर्वोत्तर रेलवे

१०७. **श्री मोहन स्वरूप**: क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) दिबनापुर हाल्ट स्टेशन (पूर्वोत्तर रेलवे के कैप्रबन्ध और सचालन पर रेलवे प्रशासन ने कितनी धनराशि व्यय की,

(ख) मई, १९५६ से १९५८ तक इस स्टेशन से यात्रा करने वाले यात्रियों से कितनी आय हुई ;

(ग) दिबनापुर हाल्ट स्टेशन पर एक छोटी इमारत और प्लेटफार्म बनाने पर कितनी धनराशि व्यय हुई ;

(घ) क्या सरकार इस हाल्ट स्टेशन को फ्लैग स्टेशन बनाने की योजना पर विचार कर रही है, और

(ङ) यदि हा, तो कब तक यह योजना कार्यान्वित होने की आशा है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी): (क) १९-५-५६ (हाल्ट खुलने की तारीख) से १८-५-५८ तक रेलवे ने लगभग १०,३०० रुपये खर्च किये।

(ख) १९-५-५६ से १८-५-५८ तक यात्री यातायात से कुल १५,१३६ रुपये की आमदनी हुई। लेकिन बगल के स्टेशनो से पलट कर जो यातायात इस हाल्ट से हुआ, उसकी आमदनी निकाल कर इस अवधि मे इस हाल्ट पर यात्री यातायात से कुल, ६,६०० रुपये की आमदनी का अनुमान है।

(ग) ३,१७० रुपये।

(घ) जी नही।

(ङ) सवाल नही उठता।

उत्तर रेलवे लाइन में छोटे नदी-नालों से टूट-फूट

१०८. **श्री मोहन स्वरूप** : क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि गत वर्ष वर्षा ऋतु में उत्तर रेलवे के गजरौला और राजघाट स्टेशनो पर छोटी-छोटी नदियो के कारण कुछ स्थानों पर लाइन टूट गई थी ;

(ख) क्या सरकार वहां कोई ऐसा प्रबन्ध करने वाली है जिस से इस वर्षा ऋतु में फिर ऐसा न हो, और

(ग) यदि हां, तो उसका विवरण क्या है ?

रेलवे उपमंत्री (श्री सें० वें० रामस्वामी): (क) जी हां।

(ख) और (ग). जी हां, इसकी रोक थाम के उपाय पर विचार किया जा रहा है।

Suits filed for Compensation against Railways

109. Shri Mohan Swarup: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) the total number of suits filed against the Northern and North-Eastern Railways separately for compensations in respect of loss, partial delivery and non-delivery of consignments during the years 1954-55, 1955-56 and 1956-57 in the civil courts;

(b) how many of the above suits were decreed by the courts against each Railway; and

(c) in how many of the above suits, costs were awarded to plaintiffs against the Railway Administration and how much cost was incurred by the Northern and North-Eastern Railway in defending the suits?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) and (b). A statement is laid on the Table of the Lok Sabha. [*See* Appendix I, annexure No. 54.]

(c) Separate statistics pertaining to these details are not maintained.

Decrees against N.E. Railway

110. Shri Mohan Swarup: Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) how many decrees passed by the civil courts during the years 1954-55, 1955-56, 1956-57 and 1957-58 were put into execution against North Eastern Railway and with what results;

(b) what was the total amount of costs of adjournment of suits allowed by the civil courts against North Eastern Railway during the years 1954-55, 1955-56, 1956-57 and 1957-58; and

(c) whether it was not possible to avoid such costs?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) A statement is placed on the Table of the House. [*See* Appendix I, annexure No. 55.]

(b) 1954-55, 1955-56, 1956-57 — No separate account of such expenditure has been maintained by the Railway for these years.

1957-58 Rs. 2,688.

(c) No, Sir.

Holiday Homes for Officers

111. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of **Railways** be pleased to refer to the reply given to Starred Question No. 50 on the 12th February, 1958 and state:

(a) whether Government have since finalised their scheme for providing cheap holiday homes to their officers on similar lines as have been provided for their non-gazetted staff; and

(b) if so, the main features of the scheme?

The Deputy Minister of Railways (Shri Shahnawaz Khan): (a) and (b). The matter is still under consideration.